एक भविष्यद्वक्ता द्वारा दूसरे को दर्शाना कैसे प्रभु सेवा की करें

प्रार्थना: ''स्वर्गीय पिता, कृपा इस पाठ्यक्रम द्वारा बच्चों को तैयार करें कि वह दूसरे बच्चो को प्रभु यीशु का अनुकरण करना सीखाए।"

वह क्रार्यक्रम चुनिए जो बच्चो कि ज़रूरत और स्थानीय रीति की हो

भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने अपनी सामर्थ एलीशा को दी इस कहानी का वर्णन करे **2 राजा 2:1-15**

- बढ़े बच्चों को कहानी पढ़नी या सुनानी सीखाएं
- पहले बताए कैसे एलिय्याह ने वयस्क भविष्यद्वक्ता को अपना कार्य सौंपा
- इसी प्रकार बच्चे आगे दूसरे बच्चों को सीखाएँ परमेश्वर के बारे में

निम्नलिखित प्रश्न पूछिए उत्तर तभी बताएँ जब बच्चे उत्तर न दे पाएँ

- एलिय्याह अपने गुरू के बारे में कितना चिन्तित था? *(उत्तर-एल्लियाह अपने बुजुर्ग गुरू को अकेले नहीं जाने देता)*
- क्या एलीशा को मालूम था उसके गुरू उसको छोड़ कर जा रहा था? *(उत्तर: पद 3 देखा)*
- एलिय्याह ने कौन सा आखिरी प्रश्न अपने चेले से पूछा? *(उत्तर पद 9 देखो)*
- एलीशा एलिय्याह से क्या लेना चाहता था? *(उत्तर: पद 9 देखो)*
- एलिय्याह कैसे स्वर्ग में गया? *(उत्तर: पद 11 देखो)*
- अपने गुरू के जाने के बाद एलीशा ने क्या अनुभव किया? *(उत्तर: पद 12 देखो)*
- एलीशा बहुत दु:खी था। प्राचीन इस्राएल में लोग कपड़े फाड़कर दु:ख मनाते थे।

रेखांचित्र बनाओ एक विशाल रथ का जिसमें आग लग रही हो। बच्चे उस चित्र को बनाकर रंग भरे। बड़े बच्चे इस काम में छोटे बच्चों की सहायता करें।

एलिय्याह और एलीशा की कहानी को बड़ो के लिए नाटक करो अगुवो की सहायता से बच्चे बड़े के लिए नाटक का मंथन करे। एलिय्याह के लिए चोगा या अगंरखा बनाए। नाटक का अभ्यास सिखने का समय हो।

- बड़े बच्चे एल्लियाह और एलीशा का पाठ करे
- छोटे बच्चे एल्लियाह के चेले बने।

वर्णन करने वाला: पहले 2 राजा 2:1-7 पढ़े फिर कहे ''सुनो क्या एलिय्याह अपने चेले एलीशा से कहता है''

एलिय्याह: एलीशा से साथ चले और कहे, ''एलीशा, यह मेरे जाने का समय है तुम यहीं रहो''
एलीशा: कहे, ''नहीं, मैं तेरे अन्त तक तेरे साथ रहूँगा''

एलिय्याह के चेले: एक तरफ खड़े हो, एक कहे- एलिशा हम भविष्यद्वक्ता है हमें मालूम है कि तेरा गुरू आज स्वर्ग को जाएगा। मेरा कार्य कौन करेगा?''

वर्णन करने वाला: कहानी का दूसरा हिस्सा पढ़े–पद 8–14, फिर कहे, ''सुने एलिय्याह एलीशा से क्या कहता है''

एलिय्याह: जमीन को अपने अंगरखा से मारता है। फिर कहे, ''परमेश्वर ने नदी का अलगाव किया, आओ इसे पार करे (एलीशा के साथ चले)''अब, जाने से पहले मै तुम्हारे लिए क्या करूँ?''

एलीशा: मुझे परमेश्वर का सामर्थ चाहिए ताकि मै तेरे कार्यो को तेरे बाद कर सकूँ!

एलिय्याह: अगर तुम मुझे स्वर्ग जाते देखोगे, तो परमेश्वर कार्यो मे तुम्हारी सहायता करेगा। (चोगे को जमीन पर फेकों, कुर्सी पर चढ़कर हाथ स्वर्ग की ओर उठाओ)

एलिशा: मेरे पिता, मैने तुझे आग के रथ पर जाते देखा''! थोड़ी देर ऊपर देखो, फिर चोगा उठाकर भविष्यद्वक्ताओं की तरफ चलो और चोगे से जमीन को मारो)

एलिय्याह के चले: सबचिल्लाए ''देखो ! उसने नदी के पानी का अलगाव किया तब एक भविष्यद्वक्ता कहे'' परमेश्वर की आत्मा ने इसे वही सामर्थ दी है जो एलिय्याह के पास थी।

वर्णन करने वाला: सब का धन्यवाद करे।

तत्पश्चात बच्चे बड़ो से एलिय्याह और एलीशा की कहानी में से प्रश्न पूछे

बच्चो को बताए: प्राचीन काल मे, यीशु के इन्सान बनने से पहले,एलिय्याह ने चेलो को परमेश्वर के हुक्म मानना सीखाया। अब यीशु मसीह हमें बताते है उन्हे चेले बनाओ जो उसकी आजा माने। पूछो.

- किस प्रकार हम दूसरे बच्चों की प्रभु यीशु की आज्ञा माननें मे सहायता कर सकते है?
- आपका कोई भाई, बहन या मित्र है, आप जिसकी सहायता प्रभु यीशु को जानने और उसकी सेवा करने मे कर सकते है?

सामर्थ का चोगा दूसरों को दें

- बच्चो के लिए चोगे का चित्र बनाए
- एक बच्चें को एलिय्याह और दूसरे को एलीशा कहे
- एलिय्याह को चोगे का चित्र देकर कहे कि यह प्रभु की सामर्थ का चिन्ह है. कहे कि अब तुम्हारे पास प्रभु की सामर्थ है, दूसरें को प्रभु यीशु के बारे में बताओ और उनकी सेवा करो।

समझाए: ''हम प्रभु की सामर्थ के लिए स्वार्थी नहीं हैं. हम चेले बनाते हैं जिसका अर्थ है हम प्रभु की सामर्थ और उसका वचन दूसरे बच्चों को देते हैं। तब जो बच्चा 'एलिय्याह' बना है उसे कहो चोगा 'एलीशा' को दे

- बच्चे चोगे का चित्र बनाकर अगली प्रार्थना सभा में बड़ो को दिखाए
- बच्चो को तैयार करें कि वह बड़ो को बताए जैसे एलिय्याह ने अपना चोगा एलीशा को दिया, वैसे ही हम प्रभु की सामर्थ और अच्छाई दूसरो को दें।

याद करे यूहन्ना 20:21

कविता: तीन बच्चे पढ़े भजनसंहिता 39 पद 4,5 और 7.

बच्चो के साथ प्रार्थना करें:

''प्रभु तूने हमें बताया कि वह चेले बनाए जो तेरी आज्ञा का पालन करे तूने हमे अपना वचन और आत्मा दी ताकि हम तेरी आज्ञा मानें। अच्छा चेला बनने मे हमारी सहायता कर ताकि हम दूसरो को प्रभु यीशु के बारे में बताएँ जिससे वह भी अच्छे शिष्य/ चेले बन सके.''